देश की लोकप्रिय मासिक हिन्दी खेल पत्रिका

शानदार 32वां वर्ष

नेशनल स्पोर्ट्स टाइम्स

नवंबर-2025, अंक-5

न्यूज मैगजीन

मूल्य ₹ 25

जेमिमा-हरमनप्रीत सहित पूरी टीम ने आंसुओं के साथ मनाया जीत का जश्न

भारत की बेटियां बनी विश्व विजेता

इस जीत से भारत में होगा महिला क्रिकेट के नए युग का उदय

एशेजः क्रिकेट की दुनिया में हर नजर होगी टेस्ट के सबसे बड़े मुकाबले पर

2030 राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी के साथ अहमदाबाद तैयार

आरएनआई नंबरः 69917/94 डाक पंजीयन म.प्र. / भोपाल / 607 / 2024-26 / 4 तारीख को प्रकाशित / डाक पोस्टिंग 5 तारीख

Email: nationalsportstimes@yahoo.com, nationalsportstimes@gmail.com Website: nationalsportstimes.org

नेशनल स्पोर्ट्स टाइम्स

पंजीयन संख्या (आरएनआई): 69917/94, डाक पंजी. न. मप्र/भोपाल/607/2024-26

■ वर्ष-32 ■ अंक-5 ■ क्रमांक-302 ■ नवंबर-2025 ■ मूल्य-25 रूपये

संपादकीय मंडल

प्रधान संपादक	:	इन्द्रजीत मौर्य
कार्यकारी संपादक	:	सुरेश कुमार
प्रबंधक	:	मयूरी मौर्य
विज्ञापन प्रबंधक	:	अजय मौर्य
विज्ञापन सहायक	:	रामेश्वर भार्गव
डिजाइनिंग	:	सुरेन्द्र डहारे
फोटो जर्नलिस्ट	:	मनीष शुक्ला
कार्टूनिस्ट	:	वीरेंद्र कुमार ओगले

सलाहकार संपादक

- अरुणेश्वर सिंहदेव
- अरुण भगोलीवाल
- आशीष पाण्डे
- शांति कुमार जैन
- समीर मिरीकर
- सुशील सिंह ठाकुर
- राजीव सक्सेना
- शंकर मूर्ति

विशेष संवाददाता / समीक्षक

हरेंद्र नागेश साहू, हरीश हर्ष, चरनपालसिंह सोबती, वीरेन्द्र शुक्ल, सरिता अरगरे, मोहन द्विवेदी, मोहम्मद ईशाउद्दीन, धर्मेश यशलाहा, दामोदर आर्य, डॉ. मुनीष राणा, प्रशांत सेंगर, सुदेश सांगते, डॉ. प्रशांत मिश्रा, विजय रांगणेकर, अनुराग मिश्रा, अमरनाथ, मो. अफरोज, दीपक शर्मा, आत्माराम भाटी।

संपादकीय कार्यालय

बी-10, छत्रपति नगर, अयोध्या बायपास, भोपाल
फोन : 0755-4218892,
मोबाइल: 094250-25727, 8349994166

पंजीयन कार्यालय : ई-197, ओल्ड मीनाल रेसीडेंसी, जे.के. रोड, भोपाल, मप्र-462023,

E-Mail: nationalsportstimes@Yahoo.com
nationalsportstimes@gmail.com

फोटो स्रोतः इंटरनेट, सोशल मीडिया, अखबार एवं ब्यूरो कार्यालय

ब्यूरो कार्यालय

इंदौर, उज्जैन, नागदा, देवास, सीहोर, विदिशा, रायसेन, बुरहानपुर, धार, जबलपुर, ग्वालियर, दतिया, रीवा, सतना, खण्डवा, खरगोन, शहडोल, छिंदवाड़ा, सागर, छतरपुर, होशंगाबाद, बैतूल, इटारसी, रतलाम, शिवपुरी, ललितपुर, झाँसी, नागपुर, रायपुर, दुर्ग, बिलासपुर, मुंबई, रत्नागिरी, कोलहापुर, पूना, जलगाँव, दिल्ली, नोएडा, हरियाणा, लुधियाना, जालंधर, मेरठ, लखनऊ, कानपुर, इलाहाबाद, गोरखपुर, मिर्जापुर, जयपुर, पटना, नैनीताल, देहरादून, कुमाऊ, गाजियाबाद, एंगुल (उड़ीसा), ऊना, शिमला, भुवनेश्वर।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक इन्द्रजीत मौर्य द्वारा सुलेख आफसेट प्लाट नं. 150, एल-5, मनोरमा काम्प्लेक्स, जोन-1, एमपी नगर, भोपाल से मुद्रित तथा ई-197, मीनाल रेसीडेंसी, जे.के. रोड, राज होम्स कॉलोनी, भोपाल से प्रकाशित। संपादक इन्द्रजीत मौर्य।

खेल पत्रिका में प्रकाशित लेखों की जिम्मेदारी लेखक की है। प्रकाशक एवं संपादक का लेखक से सहमत होना अनिवार्य नहीं है। (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल न्यायालय रहेगा।

12 सेमीफाइनल की जीत

जेमिमा-हरमनप्रीत सहित पूरी टीम ने आंसुओं के साथ मनाया जीत का जश्न

अंदर के पन्नों पर

लॉरा की ऐतिहासिक पारी	14
टी20 विश्व कप की सभी टीमें तय	15
एशेज क्रिकेट का रोमांच	16
अंपायरों को अंपायर डिकी बर्ड	18
भारत-ऑस्ट्रेलिया वनडे सीरीज	19-22
भारत-वेस्टइंडीज दिल्ली टेस्ट	24
स्मृति मंधाना का कमाल	25
भारत का नया खेल विजन	32
फीफा विश्व कप फुटबाल	36
एशियन कप फुटबाल में भारत नाकाम	37
जापान स्क्वैशः जोशना ने जीता खिताब	39
शटल की उड़ान	

Website: www.nationalsportstimes.org

युवा एशियाई खेलों में भारत का दमदार प्रदर्शन

नई दिल्ली। भारत ने बहरीन एशियाई युवा खेलों में अपना प्रभावशाली प्रदर्शन जारी रखा है। भारत ने इस टूर्नामेंट में मुक्केबाजी में तीन स्वर्ण और एक रजत पदक जीतने के अलावा बीच कुश्ती में भी तीन स्वर्ण और दो रजत पदक जीते। भारतीय मुक्केबाजों खुशी चंद, अहाना शर्मा और चंद्रिका भोरेशी पुजारी ने स्वर्ण पदक जीते, जबकि लैंचेनबा सिंह मोइबुंगखोंगबाम को रजत पदक से संतोष करना पड़ा। इस तरह भारत के पदकों की संख्या 41 हो गई जिसमें 12 स्वर्ण, 15 रजत और 14 कांस्य पदक शामिल हैं। मुकाबले के स्वर्णिम सत्र में खुशी (46 किग्रा) ने चीन की लुओ जिनशियू के खिलाफ 4-1 से शानदार जीत के साथ भारत के लिए मुक्केबाजी में दिन का पहला स्वर्ण जीता। अहाना (50 किग्रा) ने इसके बाद एकतरफा जीत हासिल की जब पहले राउंड में ही दक्षिण कोरिया की मा जोंग हयांग के खिलाफ रैफरी को मुकाबला रोकने (आरएससी) के लिए मजबूर होना पड़ा।

इसके बाद चंद्रिका (54 किग्रा) ने उज्बकिस्तान की मुहम्मदोवा कुमरिनिसो को 5-0 से हराकर भारत की स्वर्ण पदक की हैट्रिक पूरी की। पदक की गिनती और भी बढ़ सकती है क्योंकि हरनूर कौर (66 किग्रा) और अंशिका (80 किग्रा से अधिक) शाम के सत्र में अपने-अपने वर्ग में फाइनल में हिस्सा लेंगी जिसमें भारत की नजरें स्वर्ण पदक का रिकॉर्ड बनाने पर है। लड़कों के फाइनल में लैंचेनबा (50 किग्रा) को कजाखस्तान के नूरमाखान झुमगली के खिलाफ कड़े मुकाबले के बाद रजत पदक से संतोष करना पड़ा।

बीच कुश्ती में भी जीते पदक : बीच कुश्ती में सानी सुभाष फुलमाली और अंजलि ने क्रमशः लड़कों और लड़कियों के 60 किग्रा और 55 किग्रा वर्ग में स्वर्ण पदक जीते, जबकि अर्जुन रुहिल भी लड़कों के 90 किग्रा वर्ग में शीर्ष पर रहे। सुजॉय नागनाथ तनपुरे (70 किग्रा) और रविंदर (80 किग्रा) को अपने-अपने फाइनल मुकाबलों में हारने के बाद रजत पदक मिला। सानी सुभाष ने फाइनल में ईरान के अमीराली डोमिरकोलाई को 2-0 से हराया जबकि अंजलि ने वियतनाम की बुई एमगोक थाओ थॉम को 2-1 से शिकस्त दी। अर्जुन ने 90 किग्रा वर्ग में ईरान के मोहम्मदमहदी फोतोउही को हराया। सुजॉय ईरान के सिना शोकोउही से 1-2 से हार गए जबकि रविंदर को भी ईरान के ही तौराज खोडेई के खिलाफ 1-2 से हार का सामना करना पड़ा।

कबड्डी में दोनों स्वर्ण भारत के नाम : कबड्डी में दो स्वर्ण पदक जीतकर देश के युवा खिलाड़ियों ने इतिहास रच दिया। लड़कों और लड़कियों, दोनों टीमों ने स्वर्ण पदक हासिल कर भारत को तालिका में काफी ऊपर ला दिया। इसा स्पोर्ट्स सिटी में हुए फाइनल मुकाबलों में भारतीय टीमों ने अलग-अलग अंदाज़ में जीत दर्ज की। लड़कियों की टीम ने ईरान को 75-21 से करारी शिकस्त दी। भारत ने पहले हाफ में 33-12 की बढ़त बनाई और दूसरे हाफ में 42 अंक जोड़ते हुए विपक्षी टीम को मात्र 9 अंकों तक सीमित रखा। ग्रुप चरण में भी भारतीय लड़कियों ने बांग्लादेश (46-18), थाईलैंड (70-23), श्रीलंका (73-10) और ईरान (59-26) को हराकर अपराजित रहते हुए फाइनल में जगह बनाई थी। लड़कों का फाइनल भी रोमांचक रहा। यहां भी भारत ने ईरान को 35-32 से हराया।

मेरी बात...

इन्द्रजीत मौर्य
प्रधान संपादक

रोहन का संन्यास टेनिस के लिए सुनहरे युग के अंत जैसा

भारतीय टेनिस के दमदार खिलाड़ी रोहन बोपन्ना ने हाल ही में अपने खेल से संन्यास ले लिया है, यानी कि अपना रैकेट खूटी पर टांग दिया है। हालांकि वे टेनिस से अन्य रूपों में जुड़े रहेंगे। कोच व कोई अन्य भूमिका मिलेगी तो जरूर पूरे दिल से निभाएंगे। रोहन ने लिएंडर पेस के बाद भारतीय टेनिस जगत को एक बड़ी पहचान दी है। जो लंबे समय तक याद की जाएगी। रोहन की इस घोषणा से उनके फैंस ने उन्हें इस कदम पर बड़ी बधाई दी है और दुख भी व्यक्त किया है। यह रोहन के करियर की आखिरी पारी का संकेत थी, लेकिन बोपन्ना ने इसे अलविदा नहीं कहा, बल्कि उन्होंने इसे एक धन्यवाद का रूप दिया। 20 साल से ज्यादा लंबे करियर में उन्होंने भारत को कई ऐतिहासिक पल दिए और खुद को भारतीय टेनिस का स्थायी चेहरा बना लिया।

रोहन बोपन्ना का करियर प्रेरणा और निरंतरता का उदाहरण रहा है। उन्होंने 20 से अधिक वर्षों तक टेनिस के शीर्ष स्तर पर खेलते हुए भारत का नाम रोशन किया। डबल्स स्पेशलिस्ट के रूप में उनकी गिनती विश्व के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में की जाती रही। उन्होंने दो ग्रैंड स्लैम खिताब जीते और कई बार भारतीय ध्वज को अंतरराष्ट्रीय मंच पर ऊंचा किया। उनका संयम, खेल भावना और फिटनेस ने यह साबित किया कि उम्र केवल एक संख्या है। यह वही खिलाड़ी हैं जिन्होंने 40+ की उम्र में भी ग्रैंड स्लैम फाइनल में जगह बनाई और युवा पीढ़ी के लिए एक मिसाल कायम की। बोपन्ना ने 2017 में फ्रेंच ओपन मिक्स्ड डबल्स का खिताब गैब्रिएला डाब्रोव्स्की के साथ जीता था और 2024 में मैथ्यू एबडन के साथ ऑस्ट्रेलियन ओपन खिताब जीतकर इतिहास रच दिया था। बोपन्ना ने अपने इस फैसले की घोषणा सोशल मीडिया पर की। उन्होंने लिखा, 'जिस चीज ने मेरे जीवन को अर्थ दिया, उससे विदाई कैसे लूं? 20 अविस्मरणीय वर्षों के बाद अब समय आ गया है कि मैं आधिकारिक तौर पर अपना रैकेट टांग दूं। कूर्ग में अपनी सर्व को मजबूत करने के लिए लकड़ी काटने से लेकर दुनिया के सबसे बड़े एरेना की रोशनी में खड़े होने तक, यह सब अविश्वसनीय लगता है। भारत का प्रतिनिधित्व करना मेरे जीवन का सबसे बड़ा सम्मान रहा है। जब भी मैं कोर्ट पर उतरा, मैंने तिरंगे, उस भावना और उस गर्व के लिए खेला।

बोपन्ना का आखिरी मैच पेरिस मास्टर्स 1000 में हुआ, जहां उन्होंने एलेक्जेंडर बुब्लिक के साथ जोड़ी बनाई थी। अपने करियर में उन्होंने कई एटीपी खिताब जीते और भारत की ओर से डेविस कप और ओलंपिक में भी हिस्सा लिया। 2024 के ऑस्ट्रेलियन ओपन में खिताबी जीत के बाद, वह 43 वर्ष की उम्र में विश्व नंबर एक युगल खिलाड़ी बने, जो अपने आप में एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। रोहन बोपन्ना का सफर आसान नहीं था। भारत जैसे देश में टेनिस को लोकप्रिय बनाना, विश्व रैंकिंग में टिके रहना और लगातार प्रदर्शन करना किसी चुनौती से कम नहीं। उन्होंने कई बार नए साथियों के साथ तालमेल बैठाया, असफलताओं से सीखा, और हमेशा कोर्ट पर अपने संयम से फर्क पैदा किया। उनका खेल यह सिखाता है कि सफलता केवल ट्रॉफियों से नहीं मापी जाती, बल्कि उस निरंतर प्रयास से जो कोई खिलाड़ी हर दिन करता है। बोपन्ना का यह संन्यास भारतीय टेनिस के एक सुनहरे युग के अंत जैसा है, लेकिन उनके छोड़े हुए पदचिह्न आने वाली पीढ़ियों को रास्ता दिखाएंगे। उनकी कहानी बताती है कि समर्पण, फिटनेस और मानसिक दृढ़ता से कोई भी खिलाड़ी सीमाओं से परे जा सकता है।

विशेष

हिम्मत हो तो कुछ भी मुमकिन है

अक्टूबर में संपन्न हुई ऑल इंडिया पुलिस वेटलिफ्टिंग क्लस्टर 2025-26 में दिल्ली पुलिस की कॉन्स्टेबल सोनिका यादव ने प्रेरणादायक मिसाल पेश की। सात महीने की गर्भवती होने के बावजूद, उन्होंने कुल 145 किलोग्राम वजन उठाकर कांस्य पदक अपने नाम किया। सोनिका ने प्रतियोगिता में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 125 किग्रा स्क्वॉट, 80 किग्रा बेंच प्रेस, और 145 किग्रा डेडलिफ्ट उठाए। अमर उजाला की रिपोर्ट के अनुसार गर्भावस्था के बावजूद उनकी इस उपलब्धि ने न केवल पुलिस बल बल्कि पूरे देश को प्रेरित किया है। मई में जब सोनिका को अपनी गर्भावस्था का पता चला, तब सबको लगा कि वह अपनी ट्रेनिंग रोक देंगी। लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया। डॉक्टरों की निगरानी में उन्होंने अपना वर्कआउट जारी रखा और अपनी फिटनेस व खेल दोनों के प्रति समर्पण बनाए रखा। प्रतियोगिता के दौरान किसी को भी उनकी गर्भावस्था का अंदाजा नहीं था, क्योंकि सोनिका ने ढीले कपड़े पहने हुए थे। जब उनके पति ने बेंच प्रेस के बाद उनकी मदद की, तब भी किसी को कुछ संदेह नहीं हुआ। सच्चाई तब सामने आई जब सोनिका ने अपना आखिरी डेडलिफ्ट (145 किग्रा) पूरा किया। इसके बाद दर्शकों तालियों बजाकर उनका उत्साह बढ़ाया और महिला पुलिसकर्मियों ने उन्हें बधाई दी।

तैयारी के दौरान सोनिका ने अंतरराष्ट्रीय वेटलिफ्टर लूसी मार्टिन्स से प्रेरणा ली, जो गर्भावस्था में भी प्रतियोगिताओं में हिस्सा ले चुकी हैं। सोनिका ने उनसे इंस्टाग्राम पर संपर्क कर सलाह और मोटिवेशन प्राप्त किया। 2014 बैच की यह अधिकारी इस समय कम्युनिटी पुलिसिंग सेल में तैनात हैं। इससे पहले, वे मजनू का टीला क्षेत्र में बीट ऑफिसर के रूप में एंटी-ड्रग जागरूकता अभियानों में अहम भूमिका निभा चुकी हैं। उनके समर्पण और साहस को पहले भी सराहा गया है। 2022 में दिल्ली पुलिस आयुक्त ने उन्हें सम्मानित किया था और केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने भी महिला दिवस पर उनकी हिम्मत और लगन की तारीफ की थी। आंध्र प्रदेश में जब सोनिका ने 145 किलो का डेडलिफ्ट पूरा किया और पदक जीता, तब उनकी गर्भावस्था का खुलासा होते ही दर्शक दंग रह गए। सोनिका ने अपनी सफलता का श्रेय हिम्मत और निरंतरता को देते हुए कहा कि अगर जज्बा हो तो कोई भी बाधा रास्ता नहीं रोक सकती, गर्भावस्था भी नहीं।